



असाधारण EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 562]

नई विल्ली, बृहस्पतिवार, विसम्बर 4, 1986/अपहायण 13, 1908

No. 562] NEW DFLHI, THURSDAY, DECEMBER 4, 1986/AGRAHAYANA 13, 1908

इस भाग में भिन्न पूछ संस्था वो जाती हैं जिससे कि यह जजन संकलन के रूप में रखा वा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

मई विल्ली, 4 विसम्बर, 1986

मधिसुचनाएँ

सं. 479/86 सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 1244(ग्र)—-केन्ग्रीय सरकार मीमा शुन्क ग्रिप्तियम, 1962 की धारा 25 को उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में एसा कारना भावस्थक है, इससे उपायद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में दिनिर्दिष्ट भारत सरकार के किरत मंत्रासय राजस्य विभाग की प्रत्येक प्रधिमृत्रना में उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तरस्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से और संभोधन किया जाएगा।

सारणी

कृम हं. समियूचना सं. भीर तारीच		संशोधन
ı	2	3
1- 1	51 सीमा शुल्क, तारीख 15जुलाई, 1977	उक्त प्रविश्वका में, (क) प्रारम्भिक पान में परन्तुक का कोप किया जाएना ;

2

- 3 (स्र) सारणी में,
- (i) कम सं. 1 धीर जलके संबंधित प्रविष्टियों का लोग किया जाएगा;
- (ii) कम सं. 2 के स्तंभ (3) में "मन्य उपयोगों के लिए" मन्दों के स्थान पर "विग्रुत यार्क मद्ठी या प्रेरण मद्ठी से भिन्न प्रयोग के लिए" भन्म रखे जाएगे।
- 2. 2-सीमा-मुल्क, तारीख 1 जनवरी, 1979

उनत प्रधिसूचना में, पैरा 2 में "31 विसम्बर, 1986" मंकों, मक्तरों बीद गक्तों के स्थान पर "31 मई, 1987" मंक भीर गन्द रखे आएंगे।

3. 255/86 सीमा-नुस्क तारीज 17 प्रमेस, 1986 उक्त प्रधिसूचना में,

(क) प्रारम्भिक पैशा क्षे "मृत्य का 5 प्रतिकर्त" मंकों भीर शब्दों के स्थाप 1 2 3

पर "20 प्रतिशत" भंक ग्रीर शब्द रखे जाएंगे। (खा) पैरा 2 में "31 विसम्बर, 1986" ग्रंकों, ग्रक्षरों भीर शब्दों के स्थान पर "31 मर्ग, 1987" ग्रंक श्रकर ग्रीर शब्द रखे जाएंगे।

् [फा. सं. 355/55/86-सीमा शुल्क- 1-4

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)
New Delhi, the 4th December, 1986
NOTIFICATIONS
NO. 479/86-CUSTOMS

G.S.R. 1244(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessry in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Minisary of Finance, Department of Revenue, specified in column (2) of the Table hereto annexed, shall be further amended in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

TABLE

Sl. Notification No. Amendment		
No, and date		
(1) (2)	(3)	
1. 151-Customs, dated the 15th July, 1977.	In the said notification: (a) in the opening portion, the Proviso shall be omitted (b) in the Table: (i) Sl. No. 1 and the entries relating thereto shall be omitted (ii) in Sl. No. 2, in column (3), for the words "For other uses", the words "For use other than in the electric arc furnace or induction furnace" shall be substituted;	
2. 2-Customs, In the said notification, in p dated the graph 2, for the figures, le 1st January, 1979. and words "31st day of Decem 1986", the figures, letters words "31st day of May, 19 shall be substituted.		
3. 255/86-Customs, dated the 17th April, 1986.	In the said notification, (a) in the opening paragraph, for the figure and words, "5 per cent ad Valorem", the figures and words "20 per cent ad valorem" shall be substituted; (b) in paragraph 2, for the figures, letters and words "31st day of December, 1986", the figures, letters and words "31st day of May, 1987" shall be substituted.	

(F. N)-355/55/86-Cus.I[

सं. _480/86-सीमा-मूल्क

सा. का. नि. 1245 (भ). किन्दीय सरकार, सीमा मुल्क मिनियम, 1962 (1962 का 52) की बारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रवत्न मिनियों को प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना भावश्यक है, सीमा मुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली भनुसूची के भश्याय 72 के भन्तर्गत माने वाले लोहे या इत्यात (स्टेनलेंस स्टील या उपमा प्रतिरोधक इस्पात से भिन्न) के गलनशील स्क्रैप (भारी गलनशीन स्क्रैप से भिन्न को) जब उनका विद्युत आर्क भट्टी या प्रेरण भट्ठी या प्रेरण भट्ठी में प्रयोग के लिए भारत में भागात किया जाए, उक्त पहली भनुसूची में विनिर्देष्ट उस पर उद्गृहणीय सीमा-शुल्क के उतने भाग से जितना मूल्य के 20% की दरपर संगणित रकम से भिन्न है, छूट बेती है।

परन्तु यह कि समुचित अधिकारी का समाम्रान हो जाता है कि ऐसे आयायित गलनशील स्क्रीय का वस्तुत प्रयोग विद्युत झार्क भट्ठी में किया गया है।

यह मधिसूचना 31 मई, 1987 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, प्रवृत्त रहेगी।

[फा. सं. 355/55/86-तीना मुल्क-1

No. 480/86-CUSTOMS

G.S.R. 1245(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is measury in the applie in the applie in the positive of lo, hereby exempts making scrap (other than heavy melting scrap) of iron or steel (other than staintess steel or heat resisting steel), falling within Chapter 72 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for use in electric arc furnace, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 20 per cent advalorem.

Provided that the proper officer is satisfied that such imported melting scrap is in fact used in electric arc furnace.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of May, 1987.

[F. No. 355/55/86-Cus.I]

सं. 481/86-सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 1246(प्र):—केन्द्रीय सरकार, सीमा मुल्क ध्रिप्तियम, 1962 (1962 का 52) काँ घारा 25 की उपवारा (1) द्वारा प्रवस्त बिन्तयों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना धावश्यक है, सीमा मुल्क टैरिफ प्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली प्रनुस्त्रों के धाव्याय 72 के घरतांत भाने वाले लोहे या इत्यात (स्टेनलेंस स्टील या उष्मा प्रतिरोक्षक इत्यात से मिन्न) भारी गलनशीन स्क्रैप को जब उसका विद्युत प्राक्ते भट्ठी या प्ररेण भट्ठी में प्रयोग के लिए भारत में भायात किया जाए उक्त पहली धनुसूची में विनिद्ष्ट उस पर उदमहणीय सीमा मुल्क के उतने भाग से जितना मूल्य के 20 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से भक्षिक है, छूट देती है।

परन्तु यह कि समुचित प्रधिकारी का समाधान हो जाता है कि ऐसे श्रायातित मारी गलनगील स्कैप का वस्तुतः प्रयोग विद्युत भाकें श्रद्धी या प्रेरण भहती में किया गया है। यह ब्रिव्यूजना 31 मई, 1987 तक जिसमें यह विनश्री सम्मितित है प्रकृत्त रहेगी ।

[फा. सं. 355 | 55 | 86 सीमा-शुल्क 1]

NOTIFICATION

No. 481/86-CUSTOMS

G.S.R. 1246(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts heavy melting scrap of iron or steel (other than stainless steel or heat resisting steel), falling within Chapter 72 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for use in electric arc furnace or induction furnace, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 20 per cent ad valcrem.

Provided that the proper officer is satisfied that such imported heavy melting scrap is in fact used in electric arc furnace or induction furnace.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of May, 1987.

[F.No. 355/202/85-Cus.I]

प्रकासुचना

सं. 482 / 86 सीमानुत्क

सा. का. नि. 1247(घ)—केन्द्रीय सरकार, सीमा गुल्क प्रधिनियम
1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त
प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार नित्त मंद्रालय राजस्व
विभाग की प्रधिक्षवना सं. 210/85 सीनागुल्क तारीख 1 जुलाई 1986
को घषिकांत करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा
करना चाववयक है, सीमा गुल्क टैरिफ धिधनियम 1975 (1975 का
51) की पहली अनुसूची के धध्याय 72 के धन्तर्गत भाने वाले स्पंज लोहे
को जब उसका घायात भारत में विद्युत भाकं भट्ठी में प्रयोग के लिए
किया जाए उक्त पहली अनुसूची में विनिर्विष्ट उस पर उद्ध्वहणीय सीमा
सुस्क के उपने भाग से जितना मूल्य के 20 प्रतिसत्त की दर परसंगणित,
रक्तम से प्रधिक है और उक्त सीमा शुल्क टैरिफ धिधनियम की धारा
3 के प्रधीन उस पर उद्धाहणीय समस्त धितरिक्त गुल्क से छूट देती है

परम्तु यह कि समुचित अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि धायातित स्पंज लोहे का विद्युत आर्क मट्टी में वस्तुत प्रयोग किया जाता है।

2 यह घधिसूचना 31 माई, 1987 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलत है, प्रबृत्त रहेगी।

[का. सं. 355/55/86 सीमाणुल्क-1]

NOTIFICATION

No. 482/86-CUSTOMS

G.S.R. 1247(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Regenue, No. 210/85 Customs, dated the 1st July, 1985, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts aponge iron, falling within Chapter 72 of the First Schedule to the Customs'

Tarist Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for use in electric are furnace, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 20 per cent ad valorem, and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tarist Act.

Provided that the proper officer is satisfied that the imported sponge iron is in fact used in electric arc furnace.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 31st day of May, 1987.

[F. No. 355/55/86-Cus.I]

ग्रविस्चना

सं. 483 / 86 सीमा शुल्क

सा. का. नि. 1248(म) — केन्द्रीय सरकार, विरंत प्रधिनियम 1986 (1986 का 23) की धारा 49 की उपधारा (4) के साथ विठत सीमा गुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की भारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदरत गर्कतयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना भावश्यक है, निवेश देती है कि उपायद सारणी के स्तम्म (2) में विनिधिष्ट भारत सरकार के विरंत मंतालय, राजस्य विभाग की प्रत्येक प्रधिसुचना को उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविद्धि में विनिधिष्ट रीति से, यथास्थिति संनोधन या ग्रीर संशोधित किया जाएगा।

सारणी

कम सं. ग्रविपूचना सं. और तारीव	चगीयन
1 2	3
1. 312/86 सीमा मृक, तारीख 13 मर्घ, 1986	उनत प्रशिस्त्रना की भनुसूची में कम सं. 276 मौर उस से संबंधित प्रिकिट के पश्चात निम्निलिखित कम सं. मौर प्रविष्टिया धरत- स्थापित की जाएगी, प्रभात : "277 सं. 255/86सीमासूल्फ तारीख 17-4-1986, "278 सं. 480/86सीमासूल्फ, तारीख 4 दिसम्बर 1986, "279 सं. 481/86सीमासूल्फ, तारीख 4 दिसम्बर 1986, "280 सं. 482/82सीमासूल्फ, तारीख 4 दिसम्बर 1986।"
2- 313/86 सीमाशुल्क तारीख 13 मई, 1986	उक्त प्रधिसूचना से उपा बद्ध ं सारणी में क्रम सं. 8 भौर उससे संबंधित प्रतिष्टियों का लोग किया जाएगा।
3. 314/86 सीमा मुल्क तारीख 13 मई, 1986	उक्त प्रधिसूचना से उपावक सारणी में कम सं. 46 भीर 62 भीर उनसे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा।

[फा. सं. 355 | 55 | 86 सीमा शुल्क-1] एस. के. सिन्हा, अवर सन्तिक

NOTIFICATION

NO. 483/86-CUSTOMS

G.S.R. 1248(E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 49 of the Finance Act, 1986 (23 of 1986), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue. specified in column (2) of the Table hereto annexed, shall be amended or further amended, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

7		nı	•
	А	м	

SI. Noti leation No.		Amendment	
(1)	(2)	(3)	
đa	2/86-Customs, ted the th May, 1986.	In the Schedule to the said notifi- cation, after Sl. No. 276 and the entry relating thereto, the following Sl. Nos. and entries shall be inserted, namely:	

(1) (2)	(3)
	,	"277 No. 255/86 Customs, dated the 17th April, 1986.
		"278 No. 480/86-Customs, dated the 4th December, 1986.
		"279 No. 481/86-Customs, dated the 4th December, 1986.
		"280 No. 482/86-Customs dated the 4th December, 1986."
2.	313/86-Customs, dated the 13th May, 1986.	In the Table annexed to the said notification, Sl. No. 8 and the entries relating thereto shall be omitted.
	314/86-Customs, dated the 13th May, 1986.	In the Schedule annexed to the said notification, Sl. Nos. 46 and 62 and the entries relating thereto

shall be omitted.

[F. No. 355/55/86-Cus. I] S.K. SINHA, Under Sery.